अर्थ- विज्ञान

डॉ० पूजा (सा.आ.)
हिंदी विभाग
जैन कन्या पाठशाला (पी.जी) कॉलेज
मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश)

अर्थ विज्ञान क्या है ?

- भाषा विज्ञान की वह शाखा जिसमें भाषा की आत्मा का अर्थात अर्थ का वैज्ञानिक अध्ययन विश्लेषण किया जाता है उसे अर्थ विज्ञान कहते हैं अंग्रेजी में अर्थ विज्ञान के लिए सेमंटिक्स एवं हिंदी में अर्थ विचार शब्द व्यवहार में आया है।
- **अर्थ – परिभाषा और स्वरूप**
- **प्राचीन संस्कृत विद्वानों के अनुसार –**
- यासक ने अपने ग्रंथ निरुक्त में नीरुक्ती का आधार ही अर्थ को माना है अर्थ ज्ञान के बिना निर्वचन असंभव है।

- पतंजलिके अनुसार अर्थ शब्द की अंतरंग शक्ति का नाम है क्योंकि शब्द तो शब्द से पृथक होता है जबकि अर्थ अपृथक होता है।
- **भारतीय विद्वानों के अनुसार**
- देवांद्रनाथ शर्मा के अनुसार – शब्द द्वारा जो प्रतीति होती है उसे अर्थ कहते है
- भोलेनाथ तिवारी – किसी भी भाषिक इकाई को किसी भी इन्द्रिय से ग्रहण करने पर जो मानसिक प्रतीति होती है वहीं अर्थ है
- **पाश्चात्य विद्वानों के अनुसार**
- **शिलर-** किसी वस्तु का अर्थ व्यक्ति प्र निर्भर करता है जिसे वह वस्तु अभिप्रेत होती है।
- एल्फ्रेड सिजविक – परिणाम अर्थ का आधार ह और सत्य का आधार अर्थ इसलिए परिणाम अर्थ माना जाता है।

अर्थ का स्वरूप –

- अर्थ शब्द की आंतरिक शक्ति है।
- जिस भाव या आशय से वक्ता शब्द का प्रयोग करता है उसकी प्रतीति या उसका बोध ही अर्थ है।
- शब्दों के अर्थ सांकेतिक एवं इच्छा मुल्क होते है।
- अर्थ का आधार परिमाण होता है। वस्तुत शब्द के उच्चरित होते ही उस वस्तु की प्रतीति करने वाली अंत रंग शक्ति का नाम अर्थ है ।
-

अर्थ – परिवर्तन के कारण

- अर्थ परिवर्तन के कारणों की निश्चित संख्या बताना कठिन है।अर्थ परिवर्तन कुछ प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं-
- परिवेश के कारण।
- शिष्टाचार एवं विनम्रता के कारण।
- भावात्मक बल के कारण।
- शोभन के शोभन भाषा का प्रयोग के कारण।
- अज्ञान या भ्रांति के कारण।

- बल का अपसरण के कारण।
- कवियों की निरंकुशता के कारण।
- एक शब्द के दो रूपों का प्रचलन के कारण।
- सामान्य के लिए विशेष का प्रयोग के कारण।
- कहावतें मुहावरे में प्रयुक्त शब्दों के कारण।
- धारणा भेद के कारण।
- संक्षेपण के कारण।
- लक्षणा व्यंजना के प्रयोग के कारण ।
- संक्षेपण के कारण ।

अन्य कारण

- सादृश्यता के कारण ।
- पुनरावृति के कारण ।
- शब्दार्थ के एकत्व की प्रमुख ता के कारण ।
- समास, उपसर्ग,लिंग भेद के कारण।
- शब्दार्थ की अंतर्निहित अनिश्चितता के कारण ।

निष्कर्ष – इस प्रकार अर्थ परिवर्तन के अनेक कारण है । अर्थ परिवर्तन एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है , अतः अर्थ परिवर्तन के कारणों को एक निश्चित संख्या के दायरे में बांधना कठिन है ।